S.No.1(4)

①

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग

दिनांक 27/02/2011 से 06/03/2011 की गई टूर के संबंध में टिप्पणी ।

1) दिनांक 03-03-2011 - चन्दवा के नगर गांव में खरवार भोगता समुदाय के लोगों की एक बड़ी मीटिंग हुई इसमें लगभग 5000 महिला पुरूष शामिल हुए । लातेहर जिला का चन्दवा-बालूमाथ आदिवासी बाहुल्य इलाका है । भोगता नेता श्री रामदेव गंजू ने बताया कि यद्यपि लातेहर एक अलग जिला बन गया है तथापि इन क्षेत्रों में विकास के काम नहीं हो रहे हैं । यहाँ अभिजीत ग्रुप और एस्सार ग्रुप के बिजली संयत्र लग रहे है । लेकिन इससे फायदा नियोजन व बिजली आपूर्ति के मामले में स्थानीय एवं आदिवासी लोगों को नहीं के बराबर हो रहा है । अभी नियोजन में जो लोग लिये गए है, अधिकत्तर बाहर के हैं ।

यह भी बताया गया कि खरवार और भोगता जाति एक ही है । लेकिन पलामू एवं लातेहर के कुछ इलाके में इसे अनुसूचित जनजाति के रूप अधिसूचित किया गया है, दूसरी ओर चन्दवा -बालूमाथ एवं चतरा इलाके में इन्हें अनुसूचित जाति की कोटि में रखा गया है । इस तरह एक ही समुदाय के लोग कुछ इलाके में अनुसूचित जनजाति और कुछ इलाके में अनुसूचित जाति में है । झारखण्ड सरकार ने टी.आर.ई. राँची से अध्ययन कराया था जिसके अनुसार टी.आर.ई. ने पाया है कि वस्तुतः भोगता और खरवार में कोई अन्तर नहीं है, अलग नाम से पुकारे जाते है । अत: भोगता को अनुसूचित जाति से हटाकर अनुसूचित जनजाति के कोटि मे रखा जाना चाहिए । इस पर झारखण्ड सरकार द्वारा अनुशंसा भारत सरकार को भेजना है जो अभी लंबित है ।

2) दिनांक 04-03-2011 - को मैनें लापूंग प्रखण्ड कार्यालय तथा इसके अंतर्गत कुछ गाँवो का भ्रमण किया । लापूंग प्रखण्ड विकास पदाधिकारी ने बताया कि इस प्रखण्ड के आदिवासियों का वृद्धा पेंशन भुगतान हेतू ड्राफ्ट बनाकर स्टेट बैंक आफ इंडिया को भेजा गया है । लेकिन यह बैंक 6 माह से कोई भुगतान नहीं कर रहा है, इससे आदिवासीजनों को दिक्कत हो रही है तथा उनके बीच गुस्सा है । इसी तरह आदिवासी किसानों के लिए के.सी.सी. भी मंजूर कर बैंक में भेजा गया है । परन्तु उन्हें भुगतान नहीं हो रहा है । इसी तरह इस ब्लाक के स्वयं सेवी समूहों का भी भुगतान लंबित चला आ रहा है । दूरभाष पर मैंने डी.डी.सी. से बात कर इन तीनों समस्याओं के जल्द निदान का निर्देश दिया ।

यह बड़ा ब्लाक है । यहाँ एक ही बैंक है । लोगों ने अनुरोध किया कि काकरिया गाँव जो प्रखण्ड से लगभग 15 कि.मी. की दूरी पर है, में भी बैंक शाखा खुलना चाहिए ताकि आदिवासियों एवं अन्य को बैंकिंग सेवा मिल सके ।

चम्पाडीह गाँव में राजीव गाँधी ग्रामीण विद्युतीकरण योजना का एक साइन बोर्ड लगा हुआ है जिसके अनुसार इस गाँव के विद्युतीकरण का काम पूरा हो गया है । लेकिन हकीकत यह है कि यहाँ सिर्फ खम्भे लगे है, तार नहीं खींचे गए है । इस तरह विद्युतीकरण का काम अधूरा है ।

उल्लेखनीय होगा कि लापूंग ब्लाक में लगभग 70% आबादी आदिवासियों की है । लालगंज से दानेकेरा के गाँव आदिवासी बाहुल्य है लेकिन यहाँ का रोड़ खराब है । लोगों का आवागमन बाधित हो रहा है । पूरना पानी से लापूंग तक की रोड़ भी टूटी पड़ी है ।

इसकी प्रतिलिपि उपायुक्त लातेहर एवं रांची को आवश्यक कारवाही हेतू भेजी जाए ।

Rameshwar Oraon
(डॉ. रामेश्वर उराँव)
अध्यक्ष
16-03-2011

संयुक्त सचिव

1. DD to take action as advised by Hon'ble Chairperson
2. Copy to be sent to AD/Coord, who will keep such reports in file; AD/Coord- should also host it on website against the tour programme. SSA may be consulted pl.

16/03

182/CP/2011
16/3/2011

श्रीमती [illegible] कृपया प्रस्तुत करें
17/3/11

a copy kept to RU III in a file & one copy to AD(Coord)
17/3/11